

॥ श्रीः ॥
चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला
५३८
~~~~~

श्रीमद्भवोजिदीक्षितप्रणीता

# वैद्याकरणसिद्धान्तकौमुदी

अष्टाद्वयादीसूत्रपाठ-वार्तिकपाठ-गणपाठ-धातुपाठ-  
पाणिनीयशिक्षा-लिङ्गानुशासन-परिभाषापाठ-  
सूत्रवार्तिकगणसूत्रधातुपरिभाषोणादि-  
सूत्रानुक्रमणिकासंवलिता

मूलमात्रम्

सम्पादकः  
श्रीगोविन्दाचार्यः



चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन  
वाराणसी

## विषयाणामनुक्रमः

|                              |     |
|------------------------------|-----|
| १. सञ्ज्ञाप्रकरणम्           | ०९  |
| २. परिभाषाप्रकरणम्           | ०६  |
| ३. अच्चसन्धिप्रकरणम्         | ०७  |
| ४. प्रकृतिभावः               | १३  |
| ५. हल्सन्धिप्रकरणम्          | १६  |
| ६. विसर्गसन्धिप्रकरणम्       | २०  |
| ७. स्वादिसन्धिप्रकरणम्       | २२  |
| ८. अजन्तपुँलिङ्गप्रकरणम्     | २५  |
| ९. अजन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्  | ३९  |
| १०. अजन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम् | ४३  |
| ११. हलन्तपुँलिङ्गप्रकरणम्    | ४६  |
| १२. हलन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम् | ६२  |
| १३. हलन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम् | ६३  |
| १४. अव्ययप्रकरणम्            | ६६  |
| १५. स्त्रीप्रत्ययप्रकरणम्    | ६८  |
| १६. कारकप्रकरणम्             | ८०  |
| १७. अव्ययीभावसमासप्रकरणम्    | ९५  |
| १८. तत्पुरुषसमासप्रकरणम्     | ९९  |
| १९. वहुव्रीहिसमासप्रकरणम्    | ११६ |
| २०. द्वन्द्वसमासप्रकरणम्     | १२५ |
| २१. एकशेषप्रकरणम्            | १२९ |
| २२. सर्वसमासशेषप्रकरणम्      | १३० |
| २३. समासान्तप्रकरणम्         | १३१ |
| २४. अलुक्तसमासप्रकरणम्       | १३४ |
| २५. समासाश्रयविधिप्रकरणम्    | १३७ |
| २६. तद्धिताधिकारप्रकरणम्     | १४७ |
| २७. अपत्याधिकारप्रकरणम्      | १४८ |
| २८. रक्ताद्यर्थकाः           | १६० |
| २९. चातुरर्थिकाः             | १६८ |
| ३०. शैषिकप्रकरणम्            | १७१ |

|     |                            |     |
|-----|----------------------------|-----|
| ३१. | प्राग्दीव्यतीयप्रकरणम्     | २६३ |
| ३२. | प्राग्वहतीयप्रकरणम्        | २२२ |
| ३३. | प्राग्धीतीयप्रकरणम्        | २२३ |
| ३४. | छयद्विधिप्रकरणम्           | २०२ |
| ३५. | आहीयप्रकरणम्               | २०३ |
| ३६. | ठबधिकारे कालाधिकारप्रकरणम् | २३० |
| ३७. | ठज्जिधिप्रकरणम्            | २१३ |
| ३८. | तद्दितेषु भावकर्माण्याः    | २१५ |
| ३९. | तद्दितेषु पाञ्चमिकप्रकरणम् | २१८ |
| ४०. | मत्वर्द्धीयप्रकरणम्        | २२२ |
| ४१. | प्राग्दिशीयप्रकरणम्        | २३१ |
| ४२. | प्रागिवीयप्रकरणम्          | २३२ |
| ४३. | स्वार्थिकप्रकरणम्          | २३३ |
| ४४. | द्विरुक्तप्रकरणम्          | २५० |
| ४५. | भवादयः                     | २५३ |
| ४६. | अदादयः                     | ३०० |
| ४७. | जुहोत्यादयः                | ३१० |
| ४८. | दिवादयः                    | ३१३ |
| ४९. | स्वादयः                    | ३११ |
| ५०. | तुदादयः                    | ३२१ |
| ५१. | रुद्धादयः                  | ३२३ |
| ५२. | तनादयः                     | ३२४ |
| ५३. | क्रद्यादयः                 | ३२९ |
| ५४. | चुरादयः                    | ३३२ |
| ५५. | तिङ्गन्ते षष्ठनप्रक्रिया   | ३४२ |
| ५६. | सत्त्वनप्रक्रिया           | ३४५ |
| ५७. | यड्गनप्रक्रिया             | ३५० |
| ५८. | यड्गलुकप्रक्रिया           | ३५२ |
| ५९. | नामधातुप्रकरणम्            | ३५६ |
| ६०. | कण्डवादिप्रकरणम्           | ३६२ |
| ६१. | प्रत्ययमाला                | ३६२ |
| ६२. | तिङ्गन्त आत्मनेषदप्रक्रिया | ३६३ |
| ६३. | परस्मैषदप्रक्रिया          | ३७२ |
| ६४. | भावकर्मप्रक्रिया           | ३७४ |

|     |                                    |     |
|-----|------------------------------------|-----|
| ६५. | कर्मकर्तृप्रक्रिया                 | ३७७ |
| ६६. | लकारार्थप्रक्रिया                  | ३७९ |
| ६७. | कृदन्ते कृत्यप्रकरणम्              | ३८५ |
| ६८. | पूर्वकृदन्तप्रकरणम्                | ३९३ |
| ६९. | उणादिषु प्रथमः पादः                | ४२२ |
| ७०. | उणादिषु द्वितीयः पादः              | ४३४ |
| ७१. | उणादिषु तृतीयः पादः                | ४४३ |
| ७२. | उणादिषु चतुर्थः पादः               | ४५४ |
| ७३. | उणादिषु पञ्चमः पादः                | ४७० |
| ७४. | उत्तरकृदन्तप्रकरणम्                | ४७५ |
| ७५. | वैदिकप्रकरणे प्रथमोऽध्यायः         | ४९८ |
| ७६. | वैदिकप्रकरणे द्वितीयोऽध्यायः       | ४९९ |
| ७७. | वैदिकप्रकरणे तृतीयोऽध्यायः         | ५०० |
| ७८. | वैदिकप्रकरणे चतुर्थोऽध्यायः        | ५०४ |
| ७९. | वैदिकप्रकरणे पञ्चमोऽध्यायः         | ५०८ |
| ८०. | वैदिकप्रकरणे पाण्ठोऽध्यायः         | ५१० |
| ८१. | वैदिकप्रकरणे सप्तमोऽध्यायः         | ५१४ |
| ८२. | वैदिकप्रकरणे अष्टमोऽध्यायः         | ५२० |
| ८३. | स्वरप्रकरणे साधारणस्वराः           | ५२६ |
| ८४. | स्वरप्रकरणे धातुस्वराः             | ५२९ |
| ८५. | स्वरप्रकरणे प्रातिपदिकस्वराः       | ५३० |
| ८६. | स्वरप्रकरणे फिट्सूत्राणि           | ५३३ |
| ८७. | स्वरप्रकरणे प्रत्ययस्वराः          | ५४० |
| ८८. | स्वरप्रकरणे समासस्वराः             | ५४३ |
| ८९. | स्वरप्रकरणे तिङ्गन्तस्वराः         | ५६४ |
| ९०. | स्वरप्रकरणे स्वरसञ्चारप्रकारः      | ५६९ |
| ९१. | लिङ्गानुशासने स्त्र्यधिकारः        | ५७० |
| ९२. | लिङ्गानुशासने पुँलिङ्गाधिकारः      | ५७२ |
| ९३. | लिङ्गानुशासने नपुंसकाधिकारः        | ५७८ |
| ९४. | लिङ्गानुशासने स्त्रीपुंसाधिकारः    | ५८१ |
| ९५. | लिङ्गानुशासने पुन्पुंसकाधिकारः     | ५८१ |
| ९६. | लिङ्गानुशासने अविशिष्टलिङ्गाधिकारः | ५८२ |
| ९७. | पाणिनीयशिक्षा                      | ५८३ |

(ठ)

परिशिष्टसूची

|      |                                              |     |
|------|----------------------------------------------|-----|
| १८.  | पाणिनीयाष्टाध्यायी-सूत्रपाठः                 | ५८६ |
| १९.  | परिभाषापाठः                                  | ६५१ |
| १००. | सिद्धान्तकौमुद्यन्तर्गतानां वार्तिकानां पाठः | ६५३ |
| १०१. | गणपाठः                                       | ६६४ |
| १०२. | धातुपाठः                                     | ६९२ |
| १०३. | सूत्रानुक्रमणिका                             | ७०८ |
| १०४. | वार्तिकगणसूत्रपरिभाषानुक्रमणिका              | ७६३ |
| १०५. | उणादिसूत्रानुक्रमणिका                        | ७७८ |
| १०६. | फिट्सूत्रानुक्रमणिका                         | ७८९ |
| १०७. | धातूनामनुक्रमणिका                            | ७९१ |